17/12/19 E

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 3393 **J**

Unique Paper Code : 62131101

Name of the Paper : Sanskrit Poetry

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit, Core**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** the questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।**

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **4** श्लोकों का अनुवाद कीजिए : (3×4=12)

Translate **four** of the following Shlokas :

(i) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालंकृताः मूर्धजाः ।
वाण्येका समलंकरोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।।

(ii) येषां न विद्या न तपो न दानं
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः ।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ।।

(iii) मन्दः कवियशः प्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम् ।
प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्बाहुरिव वामनः ।।

(iv) व्यूढोरस्को वृषस्कन्धः शालप्रांशुर्महाभुजः ।
आत्मकर्मक्षमं देहं क्षात्रो धर्म इवाश्रितः ।।

(v) सर्वकार्यशरीरेषु मुक्त्वांगस्कन्धपञ्चकम् ।
सौगतानामिवात्मान्यो नास्ति मन्त्रो महीभृताम् ।।

(vi) समूलघातमघ्नतः परान्नोद्यन्ति मानिनः ।
प्रध्वंसितान्धतमसस्तत्रोदाहरणं रविः ।।

2. अधोलिखित में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (3×6=18)

Explain any **three** with reference to the context :

(i) यदा किञ्चिज्ज्ञोऽहं द्विप इव मदान्धः समभवं,
तदा सर्वज्ञोऽस्मीत्यभवदवलिप्तं मम मनः ।
यदा किञ्चित्किञ्चिद् बुधजनसकासादवगतम्,
तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगतः ।।

(ii) स्थित्यै दण्डयतो दण्ड्यान्परिणेतुः प्रसूतये ।
अप्यर्थकामौ तस्यास्तां धर्म एव मनीषिणः ।।

(iii) सम्पदा सुस्थिरं मन्यो भवति स्वल्पयाऽपि यः ।
कृतकृत्यो विधिर्मन्ये न वर्धयति तस्य ताम् ।।

(iv) तं सन्तः श्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतवः ।
हेम्नः सन्लक्ष्यते ह्यग्नौ विशुध्दिः श्यामिकापि वा ।।

(v) यथाविधिहुताग्नीनां यथाकामार्चितार्थिनाम् ।
यथापराधदण्डानां यथाकालप्रबोधिनाम् ।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर निबन्ध लिखिए : (4×8=32)

Write essay on any **four** of the following :

(i) माघे सन्ति त्रयो गुणाः

(ii) नीतिशतक के अनुसार मूर्ख के लक्षण

(iii) कविकुलगुरुकालिदासः

(iv) नीतिशतक के अनुसार विद्या के महत्व पर प्रकाश डालिये

(v) शिशुपालवध के नामकरण का औचित्य

4. अधोलिखित से किन्हीं **पाँच** पर व्याकरणात्मक टिप्पणी करें- (5×1=5)

Write grammatical notes on any **five** of the following :

वर्धयति, प्रतिपाद्यमानम्, शक्यः, ध्रियते, उत्थाय, जुगोप, प्रजास्तस्य ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (2×4=8)

Write short notes on any **four** of the following :

अश्वघोष, कालिदास, भारवि, श्रीहर्ष, जयदेव, गीतिकाव्य